मौलाना हत्याकांड का पर्दाफाश, विधि से संघर्षरत छह बालक निरुद्ध

मदरसे में पढ़ने वाले विधि से संघर्षरत बच्चों ने की थी हत्या, सेक्सुअल हैरेसमेंट का मामला

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र में करीब 15 दिन पूर्व पूर्व कंचन नगर स्थित मोहम्मदी मस्जिद में मौलाना माहिर की अज्ञात बदमाशों ने हत्या कर दी थी और फरार हो गये थे। मौलवी हत्याकांड का रविवार को एसपी देवेंद्र बिश्नोई ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने मामले में विधि संघर्षरत छह बालकों को निरुद्ध किया है। पुलिस ने निशानदेही पर मौलाना का मोबाइल और हत्या में प्रयुक्त रस्सी भी बरामद कर ली है। मामला बच्चों के साथ सेक्सुअल हैरेसमेंट का निकला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एसपी देवेंद्र विश्नोई ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए प्रेसवार्ता में मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि 27 अप्रैल को परिवादी मोहम्मद तौसिफ अशरफ पुत्र स्व. मोहम्मद जाकिर हुसैन निवासी आजाद नगर खानपुरा ने रामगंज थाने में रिपोर्ट दी थी, जिसमें 2:30 से 3 बजे मौहम्मदी मस्जिद कंचन नगर के इमाम साहब मौलाना मो. माहिर पुत्र मोहम्मद असलम निवासी शाहबाद रायपुर जिला रामपुर उत्तर प्रदेश की तीन अज्ञात हमलावरों ने मस्जिद में घुसकर धारदार हथियारों व लकड़ी, लोहे के डंडों से सिर पर ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी तथा मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। एसपी विश्नोई ने बताया कि मृतक के मेडिकल रिपोर्ट से पाया गया कि मृत्यु से पूर्व सिर में लकड़ी से चोट लगने व रस्सी से गला दबाकर मारा गया है आदि तथ्यों को

एसपी देवेंद्र विश्नोई ने मौलाना हत्याकांड का खुलासा किया।

दृष्टिगत रखते हुए जांच एंगल बदल कर जांच पड़ताल शुरू की थी। एसपी विश्नोई ने बताया कि मदरसे में पूर्व से अध्ययनरत विधि से संघर्षरत पांच बालकों का मौलाना माहिर लंबे समय से सेक्सुअल व अश्लील हरकतें व अप्राकृतिक संबंध बना रहा था, जिससे प्रताड़ित होकर बच्चों ने हत्या कर दी।

एसपी ने बताया कि 25 अप्रैल को मौलाना माहिर अपने साथ एक विधि संघर्षरत बालक को लाया था, जिसके साथ भी उसने अप्राकृतिक संबंध बनाने का दबाव बनाया, बालक ने इस बात का सभी जगह खुलासा करने का कहा तो मौलवी ने उसको रुपए का लालच दिया एवं चुप रहने की बात कही। उक्त संघर्षरत बालक ने अपने साथ हुई घटना की अन्य अध्ययनरत बालकों को बताया तो सभी बालकों ने अपनी-अपनी व्यथा सुनाई कि मौलाना ने हमारे साथ भी काफी बार गलत हरकत कर चुका है। सभी विधि से संघर्षरत बालकों ने एक राय होकर 26 अप्रैल को मौलवी माहिर से छुटकारा पाने के लिए योजना बनाई।

बालकों पर संदेह होने पर मनोवैज्ञानिक पूछताछ की :- एसपी ने बतया कि संयुक्त गठित टीम ने हत्या के समस्त कारणों का बारिकी से विश्लेषण किया, हत्या के चश्मदीद मदरसे में पढ़ने वाले विधि से संघर्षरत बालकों पर संदेह होने पर टीम के सदस्यों ने हत्या के चश्मदीद विधि से संघर्षरत बालकों को उनके परिजनों के साथ बुलाकर पूछताछ शुरू की। 12 मई को हत्या के चश्मदीद विधि से संघर्षरत बालकों द्वारा मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ के दौरान मदरसे में पढ़ने वाले 6 विधि से संघर्षरत बालकों द्वारा उक्त घटना सभी के द्वारा मिलकर कारित करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने छह बलाकों को निरुद्ध कर लिया।

■ पुलिस ने विधि से संघर्षरत बच्चों की निशानदेही पर मौलाना का मोबाईल व हत्या में प्रयुक्त रस्सी बरामद की

प्रकरण में आरोपी घटना कारित करने के उपरान्त से फरार हो गए, चूंकि घटना के चश्मदीद विधि से संघर्षरत बालकों ने पुलिस को योजनाबद्ध तरीके से तथ्यों को छुपाते हुए बताया था कि 3 व्यक्ति काले रंग के कपड़े पहनकर मुंह ढककर मस्जिद में घुसे और एक व्यक्ति ने हमें कमरे से डरा-धमकाकर बाहर निकाल दिया एवं दो व्यक्तियों ने मौलाना माहिर के सिर पर लकड़ी से चोट मारकर मार डाला। पुलिस ने सभी तथ्यों पर बारिकी से निरीक्षण किया था। निरुद्ध बालकों ने पुलिस टीम को गुमराह करने के लिए यह योजना बनाई थी।

एसपी ने बताया कि विधि से संघर्षत बालकों से मनौवैज्ञानिक दृष्टिकोण से पूछताछ की गई तो बालकों ने बताया कि मौलाना माहिर हमारे साथ गलत हरकत करता था जिससे हम सभी परेशान थे। हम सभी ने मौलाना को मारने का प्लान बनाया और 26 अप्रैल को मेडिकल की दुकान से नींद की गोलियां ले आए और मौलाना जब बाहर खाना खाने गये थे, जहां से रात के 10 बजे वापस आए, हम सबने बूंदी के रायते में नींद की गोली पीसकर मिला दी थी।

बालकों ने बताया कि कुछ समय बाद मोलाना मस्जिद में स्थित कमरे में सो गया तो हमने मस्जिद में पीछे गली में पड़े कबाड़ में से एक डंडा लेकर आए और कमरे में सो रहे मोलाना के सिर में जोरदार मारा, जिस पर वह घायल हो गया, तब हम सबने मिलकर उसको उल्टा पटककर रस्सी से गले में फंदा लगाकर जोर से खींचा तो कुछ समय बाद मौलाना माहिर हिलना डुलना बंद हो गया, जब पूर्ण रूप से उसकी धड़कन बंद हुई फिर हम सब कमरे से बाहर आ गए। मस्जिद के पास स्थित सरफराज के घर गए और उनको बुलाकर लगाए। इस प्रकार उक्त सभी विधि से संघर्षरत बालकों द्वारा एकराय होकर षडयंत्र रचकर योजनाबद्ध तरीके से मौलवी की हत्या कर दी।

पानी की समस्या को लेकर प्रशासन फील्ड में उतरा

प्रशासन के अधिकारियों ने पानी की समस्या को लेकर दौरा किया।

झुंझुनूं, (निसं)। जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल गर्मियों के मौसम में पानी की समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए संकल्पबद्ध है। इसी क्रम में उन्होंने ना केवल जलदाय विभाग, बल्कि हर विभाग के अधिकारी को धरातल पर स्थिति जानने के लिए फिल्ड में उतार दिया है। रविवार को अवकाश होने के बावजूद भी जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल के निर्देश पर नगर परिषद आयुक्त अनिता खीचड़ ने सुबह-सुबह करीब आधा दर्जन से अधिक कॉलोनियों में चार घंटे डोर टू डोर जाकर पानी सप्लाई की स्थिति जानी।

आयुक्त अनिता खीचड़ ने बताया कि उन्होंने रविवार को एईएन लोकेश दूलड़ के साथ इंदिरा नगर, सैनिक नगर, बसंत विहार, किसान कॉलोनी, दीनदयाल नगर और मणि विहार आदि इलाकों में डोर टू डोर जाकर दौरा किया।

■ पूरा प्रशासन पानी की समस्या जानने और समाधान करने रविवार अवकाश को भी फील्ड में उतरा

इस दौरान किसान कॉलोनी और बसंत विहार में पानी की कोई समस्या नहीं मिली। लेकिन इंदिरा नगर के बी और सी ब्लॉक में कम प्रेशर से पानी सप्लाई होने की शिकायत सामने आई। इसके अलावा मणि विहार के लोग सर्वाधिक पानी की समस्या से जूझते हुए दिखाई दिए। यहां के लोगों ने बताया कि ना तो पानी सप्लाई का टाइमिंग फिक्स है। एक दिन छोड़कर एक दिन पानी आता है। वहीं जिस दिन पानी आता है वो भी कम प्रेशर के आता है। जिससे पानी आपूर्ति पूरी नहीं हो पाती है। वहीं इन सभी इलाकों में नहरी पानी सप्लाई हो रहा है। जिसमें बदबूदार पानी सप्लाई की शिकायतें सभी जगह मिली। इसके अलावा दीनदयाल नगर में करीब 150 झुग्गियां है, जो इधर-उधर से पानी लाकर जीवन-यापन कर रहे हैं। जिसके लिए जल्द ही दीनदयाल नगर में बने पंप हाउस में एक नल लगाकर इन झुग्गियों में रहने वाले लोगों को पानी सप्लाई सुनिश्चित की जाएगी।

आयुक्त ने बताया कि जिला स्तर पर स्थित कंट्रोल रूम में आई शिकायतों को भी डोर टू डोर जाकर वेरिफाई किया गया। जिनकी रिपोर्ट तैयार कर कलेक्टर को भेजी जाएगी। इसके अलावा नहरी पानी में जो बदबू आने की शिकायतें सभी जगह से मिल रही है। उसे दूर करने के लिए भी कलेक्टर से निवेदन किया जाएगा। साथ ही पंप हाउस के बाहर एक नल लगाकर दीनदयाल नगर में झुग्गी में रहने वाले लोगों की समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा।

युवक की हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर जाम लगाया

पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, मुख्य आरोपी फरार

करौली, (नि.सं.)। करीब दो माह पूर्व पांच मार्च को बयाना क्षेत्र में करौली के बल्लूपुरा गुडला गांव निवासी युवक की हत्या के मामले में ग्रामीणों ने करौली हिंडौन मार्ग स्थित गुडला गांव में जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने जाम लगाकर युवक की हत्या के मुख्य आरोपियों हेतन गुर्जर एवं उसके चचेरे भाई योगेन्द्र गुर्जर निवासी तिघरिया थाना सदर हिडौन की गिरफ्तारी, आरोपी के पास मौजूद हथियारों के लाइसेंस निरस्त करने, करौली में राजकीय महाविद्यालय पीछे स्थित आरोपी के आवास को ध्वस्त करने और परिवार को पुलिस सुरक्षा देने की मांग की है।

जाम लगने से पूर्व ग्रामीणों ने गुडला गांव में 12 गांव गुर्जर समाज की पंचायत आयोजित की जिसमे ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यशैली पर भी नाराजगी जताई। ग्रामीणों का आरोप है कि मामले को लेकर कई बार पुलिस को ज्ञापन सौंपा लेकिन पुलिस ने गंभीरता से नहीं लिया और आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही नहीं की। जिसको लेकर मृतक के परिजन और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। देर शाम करौली-

बल्लूपुरा गुडला गांव निवासी युवक की हत्या के मामले में ग्रामीणों ने गुडला गांव में जाम लगा दिया।

हिंडौन मार्ग पर जाम लगाने से यातायात अवरुद्ध हो गया। हालांकि करौली-हिंडौन मार्ग पर चलने वाले वाहनों को मोठियापुरा तथा गंगापुर रोड पर डायवर्ट कर दिया गया। वहीं पुलिस उपाधीक्षक अनुज सदर थानाधिकारी योगेन्द्र शर्मा पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर रहकर हालात पर नजर बनाये हुए थे।

जानकारी के अनुसार गत 5 मार्च को बल्लूपुरा गांव निवासी युवक दौलत सिंह पुत्र इंद्रराज गुर्जर अपनी कार से जुंगीनपुरा से बारात लेकर दुर्गेषी थाना सूरौठ गया हुआ था जहा शहीद स्थल पीलूपुरा से हेतन गुर्जर, भैरोसिंह गुर्जर, बृजेन्द्र सिंह गुर्जर, खेमा गुर्जर व 8-10 अन्य लोग वाहनों में आये और दौलत सिंह व उसके चचेरे भाई लोकेष गुर्जर का अपहरण कर ले गये जहां एक सुनसान जगह पर नामजद लोगों ने दौलत सिंह के साथ बेरहमी से मारपीट की जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई थी जिसका मामला सदर थाना बयाना पर दर्ज है। जिसकी जांच करौली पुलिस उपाधीक्षक के द्वारा की जा रही है। मामले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जो न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे है लेकिन घटना का मुख्य आरोपी हेतन गुर्जर और उसका चचेरा भाई योगेन्द्र गुर्जर पुलिस गिरफ्त से दूर फरार चल रहे है। जिनकी गिरफ्तारी को लेकर मृतक के परिवार जन व समाज पंच पटेल जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों को कई बार ज्ञापन भी दे चुके हैं लेकिन अभी तक आरोपी गिरफ्तार नहीं किये गये हैं। देर शाम तक ग्रामीण करौली हिंडौन सड़क मार्ग के गुडला गांव पर जाम लगाकर प्रशासन के अधिकारियो को मौके पर बुलाने पर अड़े रहे।

■ जाम लगने से पूर्व ग्रामीणों ने गुडला गांव में 12 गांव गुर्जर समाज की पंचायत हुई

मण्डा के ग्रामीणों को पांच-छह दिन इंतजार के बाद भी पानी नहीं मिल रहा

केकड़ी, (निसं)। प्रदेश में जल जीवन मिशन पूरी तरह से नाकाम दिखाई दे रहा है। यहां के कई गांवों में आज भी पेयजल की समस्या बरकरार है। ग्राम पंचायत मोलकिया में स्थित गांव मण्डा में पानी का संकट कोई नई बात नहीं है। यहां पर बीते कई वर्षों से गर्मी के मौसम में लोगों की जिंदगी दुश्वार हो जाती है। केकड़ी जिला मुख्यालय से मात्र पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित मण्डा के ग्रामीणों को करीब पांच-छह दिन इंतजार के बाद भी पर्याप्त पेयजल नहीं मिल रहा है।

जानकारी के अनुसार यहां स्थित एकमात्र सार्वजनिक नल में 5-6 दिन में एक बार में एक घण्टा ही पानी आता है। गांव वालों ने एक बार में एक व्यक्ति को अधिकतम दो बर्तन ही भरने का नियम बना रखा है, ताकि सभी को पानी भरने का अवसर मिले। कई बार तो कुछ लोगों का नम्बर आते-आते पानी आना ही बन्द हो जाता है, जिसके कारण ऐसे लोगों को मायूस ही वापस घर लौटना पड़ता है। पेयजल के लिए यहां एक सार्वजनिक टंकी भी बनी है, जिसकी भी सफाई नियमित रूप से नहीं होती। गांव में कुछ हैडपम्प भी लगे हैं जिनमें फ्लोराइड युक्त पानी आता है, जिससे शरीर में हड्डी एवं दांत जनित कई प्रकार

केकड़ी के मंडा गांव में पेयजल से परेशान ग्रामीण।

की बीमारियां हो रही है। 35-40 वर्ष के युवक 50 वर्ष की उम्र के दिखाई देते हैं।

गांव में पानी की भारी समस्या के चलते कुछ माह पूर्व जल जीवन मिशन के तहत गांव के सरकारी स्कूल और आंगनबाड़ी में हुए नल कनेक्शन में से पानी भरने के लिए स्कूल परिसर में एकत्रित होकर पानी भरने लगे। पानी भरने के चक्कर में कुछ लोगों ने स्कूल भवन की चारदीवारी को भी जगह-जगह से तोड़ दी। और तो और कुछ समय बाद अब पानी की आस में इस कनेक्शन को विद्यालय के बाहर सड़क किनारे से उखाड़कर सड़क किनारे से ही पानी भरने लगे हैं। जैसे ही गांव वालों को नल में पानी आने के तय समय की जानकारी मिलती है उसके बाद यहां पानी भरने के लिए इस भीषण गर्मी और कड़ी धूप में भी दो घण्टे पूर्व ही लाइन लगनी शुरू हो जाती है। कई बार हालात ऐसे हो जाते हैं कि आपस में झगड़ा तक हो जाता है। पानी आने के समय पूरे गांव के लोग दो भागों में बंट जाते हैं। एक केकड़ी मार्ग पर सार्वजनिक टंकी के वहां, तो दूसरी तरफ तितरिया मार्ग पर सरकारी स्कूल के बाहर, जहां पानी की मारामारी के चलते कुछ लोगों ने जल जीवन मिशन के तहत लगे कनेक्शन को ही जमीन से उखाड़ दिया।

गांव वालों का कहना है कि चुनाव के समय तो नेता आश्वासन देकर चले जाते हैं उसके बाद कोई सुध लेने नहीं आता है। हालात इसलिए भी बद से बदतर है कि इन सुविधाओं की सुध लेने वाला कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति भी कुछ करने को तैयार नहीं है।

गौरतलब है कि पूरे देश भर में जल जीवन मिशन एक महत्वपूर्ण योजना के रूप में चलाया गया था, जिसका उद्देश्य लोगों को पेयजल की मूलभूत सुविधा आसानी से उपलब्ध कराना था।

चोरों ने मकान से पौने तीन लाख रुपए चुराये

पीड़ित ने मकान में हुई चोरी की घटना की जानकारी दी।

अजमेर, (कासं)। क्लॉक टावर थाना क्षेत्र के एक मकान में अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर छत के रास्ते से दरवाजा तोड़कर ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में घुसे और आलमारी में रखे पौने तीन लाख रुपए चुरा ले गए। पीड़िता अपनी बेटी के घर गई थी और ग्राउंड फ्लोर पर पुत्रवधु थी, लेकिन उसे भनक तक नहीं लगी। पीड़िता के बेटे की थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भांग बावड़ी आशागंज रोड अजमेर निवासी नरेश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि अज्ञात चोरों ने मकान में चोरी की वारदात अंजाम दी है। घटना 10 मई को सायं साढ़े पांच बजे के करीब की है। जब में घर पहुंचा तो मुझे घटना की जानकारी मेरी पत्नी ने दी। पीड़ित ने बताया कि अज्ञात चोरों ने ऊपर छत का दरवाजा तोड़ कर घर में प्रवेश किया और ऊपर कमरे में मेरी माताजी रहती है, मेरी मां मेरी बहन से मिलने वैशाली नगर उसके घर गई थी। घर में मेरी पत्नी नीचे कमरे में अकेली थी। शातिर चोरों ने ऊपर के कमरे में चोरी की वारदात अंजाम देते हुए अलमारियों के ताले तोड़कर नकदी चुराकर फरार हो गए। चोर करीब घर से पौने तीन लाख रुपए चुरा ले गए। पीड़ित नरेश ने बताया कि जब मैं घर पहुंचा तो घटना की जानकारी लगी, जिस पर तुरंत ऊसरी गेट चौकी गया, जहां से कलॉक टावर थाने भेज दिया। थाने में मौजूद एसआई राजवी को घटना की जानकारी दी। जिस पर एसआई तुरंत घर पहुंचने और घटना स्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अंकित हत्याकाण्ड के विरोध में गंगापुर बंद सफल रहा

मंत्री किरोडीलाल ने कलेक्टर व एसपी से वार्ता की, धरना जारी

गंगापुर सिटी, (निसं)। शुक्रवार की रात हुए ब्लाइण्ड मर्डर को लेकर शहर में आक्रोश फैल गया और सर्व समाज ने आक्रोश जताते हुए रविवार को गंगापुर शहर को बंद का निर्णय लिया। रविवार को अंकित मीना हत्याकाण्ड के विरोध में गंगापुर सिटी शहर के सम्पूर्ण बाजार सुबह से ही स्वैच्छिक रूप से बंद रहे। एक दो जगह पर कार्यकर्ताओं ने दुकानदारों से आग्रह कर दुकानें बंद करवाई जो कि पूर्णतया सफल रहा।

अंकित मीणा की हत्या के मामले में विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पर लोग धरने पर बैठ गए। परिजन और सर्व समाज के लोगों का कहना है कि आरोपियों ने पहले अंकित का गला रेत कर और इसके बाद पत्थरों से कुचल कर उसकी हत्या की है। ऐसे में उदयपुर के कन्हैयालाल की तर्ज पर अंकित के परिवार को 50 लाख का मुआवजा देने, मृतक के हत्यारे को फांसी की सजा देने, मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी देने, मामले को फास्ट ट्रैक अदालत ले जाकर शीघ्र निस्तारण करने आदि की मांग की। रविवार को शाम पांच बजे सरकार के काबिना मंत्री किरोडीलाल

धरना स्थल पर परिजनों से मंत्री किरोडी लाल मीना ने जानकारी ली।

मीना धरना स्थल पर पहुंचे।

उन्होंने पीड़ित परिवार से वार्ता कर घटना की जानकारी ली और प्रतिनिधि मण्डल के साथ जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक से वार्ता की। उन्होंने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं सर्व समाज को झकझोर देती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्रीजी चुनाव प्रचार में बाहर है और मैं उनसे वार्ता कर के पीड़ित परिवार को अधिक से अधिक आर्थिक सहायता दिलाने का प्रयास करूंगा। साथ ही उन्होंने पुलिस अधिकारियों से इसकी जांच कर फास्ट ट्रैक में केस चलाने के लिए कहा। वहीं पीड़ित पक्ष ने धरना समाप्त करने से इंकार कर दिया। देर शाम तक उनका धरना जारी था।

अंकित हत्याकाण्ड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने दो नाबालिगों को निरूद्ध किया, दो घंटे में मामले का खुलासा हुआ

गंगापुर सिटी, (निसं)। शुक्रवार रात सदर थाना क्षेत्र के जयपुर रोड स्थित आरजीएम हॉस्पिटल के पास अंकित मीना की गला रेतकर पत्थरों से कुचल कर हत्या करने की घटना का पुलिस ने खुलासा कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह वारदात का पता लगते ही पुलिस कप्तान सुजीत शंकर के निर्देशन में एएसपी राकेश राजोरा, डिप्टी अरविन्द कुमार के सुपर विजन में सदर थानाधिकारी पन्ना लाल, कोतवाली थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह, उदेई मोड थानाधिकारी नरेश पोसवाल व जिला स्पेशल टीम द्वारा ब्लाइण्ड मर्डर का खुलासा करने के लिए मुखबिर तंत्र, सीसीटीवी फुटेज व अन्य सूचनाओं के आधार पर दो घंटे के अंदर ही आरोपियों को डिटेन कर लिया। आरोपियों ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल करने के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर दो नाबालिगों को निरूद्ध किया है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एक लड़की से अंकित व सलमान दोनों की दोस्ती थी और इसी बात को लेकर तीन चार दिन पूर्व से ही सलमान अंकित को ठिकाने लगाने की योजना बना रहा था।

इसके लिए सलमान पुत्र अब्दुल रहमान निवासी चमनपुरा ने अपने दो नाबालिग साथियों को साथ लेकर अंकित मीना को बुलाया। शुक्रवार रात इन्होंने लगभग दो घंटे तक शराब पीकर बाइक से जयपुर रोड के लिए रवाना हो गए जहां सलमान ने अंकित की बाइक की चाबी निकाल ली। इस बात को लेकर दोनों में झगड़ा हुआ और सलमान ने अपने दो नाबालिग साथियों के साथ अंकित का गला रेत दिया व पत्थरों से सिर को कुचल दिया। परन्तु घटना स्थल पर बाइक व चाकू आधा चेहरा बचने से मृतक की शिनाख्त हो गई। इस ब्लाइण्ड मर्डर का दो घंटे में खुलासा करने व आरोपियों को डिटेन करने पर शहर के लोगो ने सराहना की है।